भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 26

(जिसका उत्तर सोमवार दिनांक 22 जुलाई, 2024/31 आषाढ़, 1946 (शक) को दिया जाना है)

शेयरों की कीमतों में अभूतपूर्व गिरावट

26. डॉ. टी. सुमति उर्फ तामिझाची थंगापंडियन:
श्री सु. वेंकटेशन:
श्री आनंद भदौरिया:
श्री विजयकुमार उर्फ विजय वसंत:
श्री वी. के. श्रीकंदन:

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या आम चुनाव-2024 के परिणामों के तुरंत बाद शेयरों की कीमतों और सूचकांक में अप्रत्याशित गिरावट आई जिससे निवेशकों को 30 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) केन्द्र सरकार द्वारा शेयरों की कीमतों में अभूतपूर्व गिरावट और निवेशकों को 30 लाख करोड़ रुपये की हानि के कारणों के पीछे हुए घोटाले की जांच के लिए क्या उपाय किए गए हैं;

(ग) अब तक की गई जांच का ब्यौरा क्या है और सरकार के विभिन्न अंगों जैसे भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम और सार्वजनिक क्षेत्र के अन्य बैंकों द्वारा शेयर बाजार में निवेश की गई निधियों की वर्तमान स्थिति क्या है;

(घ) क्या शेयर बाजार में निवेश करने वाले 5 करोड़ परिवारों को दी गई विशिष्ट निवेश सलाह के कारण शेयर बाजार में अभूतपूर्व वृद्धि हुई और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा इस मामले की जांच किए जाने की मांग की गई थी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं;

(च) क्या सरकार कृत्रिम उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप निवेशकों को हुए भारी नुकसान की संयुक्त संसदीय समिति अथवा सेबी द्वारा जांच कराए जाने की मांग पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(छ) क्या सरकार ने खुदरा निवेशकों पर पड़े इसके प्रभाव का कोई आकलन किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ज) 3 जून, 2024 को एनएसई और स्टॉक एक्सचेंजों पर 100 सबसे बड़े विक्रेताओं का ब्यौरा क्या है और इसमें कितनी धनराशि सम्मिलित है?

उत्तर
वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) से (ज): शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव निवेशकों की अवधारणाओं सहित अन्य कारकों पर भी निर्भर करते हैं, जिसमें अन्य बातों के अलावा, विदेशी पूंजी प्रवाह को प्रभावित करने वाले वैश्विक आर्थिक परिदृश्य, घरेलू मैक्रो-इकोनॉमिक संबंधी मानदंड और समग्र कॉर्पोरेट प्रफोर्मेंस शामिल होती हैं।

16 मार्च, 2024 को आम चुनावों की घोषणा के बाद स्टॉक मार्केट बेंचमार्क सूचकांक, सेंसेक्स और निफ्टी-50 में उछाल का रूझान देखने को मिला और 3 जून, 2024 तक इनमें क्रमशः 5.3% और 5.6% की वृद्धि हुई। दिनांक 4 जून 2024 को, आम चुनावों के परिणामों की घोषणा की तारीख को सेंसेक्स और निफ्टी-50 में क्रमशः 5.7% और 5.9% की कमी आई। 4 जून 2024 के बाद से सूचकांकों में तीन दिनों के भीतर सुधार हो गया और ये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए, जिसमें 18 जुलाई, 2024 की स्थिति के अनुसार क्रमशः 12.9% और 13.3% की वृद्धि दर्ज की गई है।

दिनांक 4 जून, 2024 को एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में लगभग 30 लाख करोड़ रुपये की कमी को पांच दिनों की अवधि के भीतर रिकवर कर लिया और तब से 18 जुलाई, 2024 की स्थिति के अनुसार इसमें लगभग 59 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है।

प्रतिभूति बाजारों के सांविधिक विनियामक के रूप में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) को प्रतिभूति बाजारों के स्थिर प्रचालन और विकास को प्रभावी बनाने के लिए विनियामक और निगरानी फ्रेमवर्क स्थापित करने का अधिदेश प्राप्त है। यह बाजार में लोगों का विश्वास बनाए रखने और निवेशकों के हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिभूति बाजारों में रुझानों की नियमित निगरानी करता है। इसके विनियमों के किसी भी प्रकार के कथित उल्लंघन की जांच की जाती है और जांच के निष्कर्षों के आधार पर सेबी अधिनियम, 1992 द्वारा दी गई शक्तियों के तहत सेबी द्वारा उपयुक्त प्रवर्तन कार्रवाई शुरू की जाती है। यद्यपि, सेबी को स्टॉक बाजार के उपर्युक्त उतार-चढ़ाव के संबंध में अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं, तथापि किसी अनुचित व्यापार के संबंध में कोई विशिष्ट सूचना प्रदान नहीं की गई है।

सरकार के विभिन्न अंगों जैसे भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम और सरकारी क्षेत्र के अन्य बैंकों द्वारा शेयर बाजार में निवेश की गई निधियों की वर्तमान स्थिति अनुलग्नक - क में दी गई है।

स्टॉक एक्सचेंजों पर दिनांक 3 जून, 2024 को श्रेणी-वार 100 सबसे बड़े विक्रेताओं का विवरण अनुलग्नक – ख में दिया गया है।

***

अनुलग्नक- क

तालिका 1: एलआईसी और सार्वजनिक क्षेत्र के अन्य बैंकों द्वारा शेयर बाजार में निवेश की गई निधियों की स्थिति

क्र.सं.	**संगठन का नाम**	**निवेश का मूल्य (31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार करोड़ रुपये में)**
1.	भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी)	इक्विटी निवेश का अंकित मूल्य: 7,42,310 इक्विटी निवेश का बाजार मूल्य: 14,58,696
सूचीबद्ध इक्विटी बाजार में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) का एक्सपोजर (16 जुलाई 2024 की स्थिति के अनुसार करोड़ रुपये में):		
2.	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	8,509.13
3.	पंजाब नेशनल बैंक	3,787.57
4.	केनरा बैंक	2,515.89
5.	इंडियन ओवरसीज बैंक	2,186.76
6.	बैंक ऑफ बड़ौदा	2,096.65
7.	सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	799.60
8.	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	502.19
9.	इंडियन बैंक	247.08
10.	यूको बैंक	235.25
11.	बैंक ऑफ इंडिया	174.79
12.	बैंक ऑफ महाराष्ट्र	80.74
13.	पंजाब एंड सिंध बैंक	34.66

स्रोत: एलआईसी, पीएसबी

अनुलग्नक - ख

तालिका 1: 3 जून, 2024 को एनएसई पर 100 सबसे बड़े विक्रेता(कैश सेगमेंट)

ग्राहक श्रेणियाँ	ग्राहकों की संख्या	सकल विक्रय मूल्य (करोड़ रुपये में)
अन्य	38	54,210.96
एफपीआई	27	10,658.31
म्यूचुअल फंड	21	15,572.79
खुदरा	7	4,544.36
बीमा	6	2,566.45
पीएमएस	1	362.52
कुल	**100**	**87,915.39**

तालिका 2: 3 जून, 2024 को बीएसई पर 100 सबसे बड़े विक्रेता (कैश सेगमेंट)

ग्राहक श्रेणियाँ	ग्राहकों की संख्या	सकल विक्रय मूल्य (करोड़ रुपये में)
खुदरा	79	6,317.86
एफपीआई	13	342.01
बीमा	3	222.03
म्यूचुअल फंड	5	201.85
कुल	**100**	**7,083.75**

स्रोत: सेबी

टिप्पणी क. "खुदरा" में एचयूएफ, व्यक्तिगत/स्वामित्व फर्म, एनआरआई और पार्टनरशिप फर्म/सीमित देयता भागीदारी शामिल हैं।

ख. "अन्य" में सार्वजनिक और निजी कंपनियां/निकाय कॉर्पोरेट्स, न्यास/सोसायटी, घरेलू वित्तीय संस्थान (बैंकों और बीमा के अलावा), सांविधिक निकाय, नई पेंशन प्रणाली, गैर-सरकारी संगठन, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) और घरेलू उद्यम पूंजीगत निधि शामिल हैं।

ग. पीएफआई: विदेशी पोर्टफोलियों निवेशक, पीएमएस: पोर्टफोलियों प्रबंधन सेवा।

***